Center for Basic Sciences

मूलविज्ञान केंद्र

Five Year M.Sc. Integrated course

II YEAR , 3rd SEMESTER

Effective from. July, 2022

H 301 CREATIVE HINDI

विषय - रचनात्मक हिंदी

Programme outcome -

मूलविज्ञान केंद्र में संचालित इंटीग्रेटेड एम.एस-सी. के द्वितीय सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर,चतुर्थ सेमेस्टर एवं पंचम सेमेस्टर में हिंदी के प्रश्नपत्र होंगे। पाठ्यक्रम 5 इकाइयों में विभक्त होगा तथा प्रत्येक इकाई के तदानुसार अंक विभक्त होगें।

विद्यार्थी हिंदी भाषा के ज्ञान से तर्कपूर्ण मौलिक सोच के साथ हिंदी में रचनात्मक लेखन एवं विज्ञान लेखन सीखते हुए स्पष्ट और शुद्ध उच्चारण, श्रवण, पठन, लेखन में दक्ष हो सकेंगे ।

रचनात्मक हिंदी -

हिंदी संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी। क्षेत्र हिंदी भाषा एवं साहित्य के माध्यम से भारतीय, सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित हो सकेंगे। स्तरीय हिंदी भाषा कौशल अर्जित कर प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल अध्ययन कर सकेंगे। अशुद्धियाँ को दूर शुद्ध लेखन कर सकेंगे।

Scanned with OKEN Scanner

H - 301

रचनात्मक हिंदी

इकाई -1 साहित्य-सौरभ

- भारती वंदना - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- स्वतंत्रता पुकारती - जयशंकर प्रसाद
- भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
- चोरी और प्रायश्चित - महात्मा गाँधी

इकाई -2 हिंदी भाषा -

शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, संमश्रुत शब्द।

इकाई -3 मानक हिंदी भाषा - अर्थ, स्वरूप, विशेषताएं।

लोकोक्ति एवं मुहावरे।

इकाई -4 देवनागरी लिपि - देवनागरी का स्वरूप, विकास, नामकरण

देवनागरी लिपि की विशेषताएं। हिंदी भाषा का विकास।

इकाई -5 पत्राचार, औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्राचार, महत्व,

विभिन्न कार्यालयीन पत्रों के प्रारूप - परिपत्र, सूचना,

आदेश, अधिसूचना, निविदा, अनुस्मारक।

Scanned with OKEN Scanner

सहायक ग्रंथसूची -

1. प्रतिनिधि कविताएँ - जयशंकर प्रसाद, राजकमल पेपरबैक्स,
2. प्रयोजनमूलक हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
3. माधवराव सप्रे चयनिका - डॉ. अशोक सप्रे
4. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद
5. सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा - महात्मा गाँधी
6. हिंदी के श्रेष्ठ निबंध एवं प्रयोगगत व्याकरण - सं.सत्यभामा आडिल
   सह संपा. डॉ. नलिनी श्रीवास्तव

Scanned with OKEN Scanner

M.Sc. [int.] THIRD YEAR. Semester -V

H-501 - Scientific writing in Hindi

[हिंदी में विज्ञान लेखन]

Course Learning outcome [CLO]-

भाषा एवं साहित्य का ज्ञान, विज्ञान के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, मानव मूल्य तथा समझ विकसित करने हेतु महत्वपूर्ण है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को स्तरीय साहित्य, संस्कृति एवं भाषा से जोड़ा जा सकेगा। छात्रों को अपने विषय समझने में भी अतिरिक्त सहायता मिलेगी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता में भी पाठ्यक्रम सहायक सिद्ध होगा।

H-501 - Scientific writing in Hindi

[हिंदी में विज्ञान लेखन]

इकाई -1 हिंदी में विज्ञान लेखन की आवश्यकता एवं महत्व।

विज्ञान लेखन में चुनौतियाँ।

इकाई -2 हिंदी में विज्ञान लेखन के विभिन्न स्तर - बाल, युवा, प्रौढ़

लोकप्रिय विज्ञान लेखन। हिंदी में विज्ञान से संबंधित

विभिन्न पत्र-पत्रिकाएं ।

इकाई 3 - विज्ञान साहित्य की स्थिति (पुस्तकें,पत्र-पत्रिकाएं, समाचार-

Scanned with OKEN Scanner

पत्र) दृश्य-श्रव्य माध्यमों द्वारा विज्ञान-प्रसार, टी.वी. चैनल्स, विज्ञान में अकादमिक लेखन। व्यक्ति, संस्था, आविष्कार, खोज, उपलब्धियों का समीक्षात्मक / रचनात्मक लेखन |

इकाई 4 - पारिभाषिक शब्दावली का विस्तार से अध्ययन, शब्द-संक्षेप, शब्द-निर्माण, परिवर्णी शब्द, महत्त्व|

इकाई 5 - पल्लवन/विस्तारण - परिभाषा, व्याख्या एवं पल्लवन| कुशल विस्तारक के गुण| सूक्तिपरक वाक्यों का पल्लवन| विज्ञान के अपठित गद्यांश का संक्षेपण |

==000==

सहायक ग्रंथ सूची -

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - राम छबीला त्रिपाठी
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना - वासुदेव नंदन प्रसाद
3. विज्ञान प्रकाश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी रिसर्च जर्नल UGC-CAIR Listed Journal ISSN : 1549-523-X
4. आंचलिक पत्रकार पत्रकारिता, जनसंचार और विज्ञान संचार की शोध पत्रिका - ISSN : 2319-3107

Scanned with OKEN Scanner